RNI No. DDHIN/2021/81605 संघ प्रदेश दमण से प्रकाशित एवं दानह तथा वापी-वलसाड़ में वितरीत होने वाला एकमात्र हिंदी साप्ताहिक DARE TO SHARE

सुविचार

बीते कल का अफसोस और आने वाले कल की चिंता दोनो ऐसे चोर हैं, जो हमारी आज की खूबसूरती चुरा लेते हैं

डेयर टू शेयर

www.daremedia.in

सूचना

दमण से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक समाचारपत्र 'डेयर टू शेयर' में प्रेस नोट एवं अपने आस-पास की घटनाओं को प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें- 9898109815/8000360011

मालिक / प्रकाशक : संध्या चौहान || संपादक : मनोज रावल || उप–संपादक : तुषार चौहान || वर्ष 4 || अंक : 38 || दमण गुरुवार, 17 अप्रैल 2025 || पृष्ठ 4 || मूल्य 4 रूपये || Email : dare.media24x7@gmail.com

"टूरिज़्म की नहीं, 'टॉक्सिन ज़ोन' की पहचान बनते दमन-वापी-वलसाड!

हाईवे के ढाबे, होटल काउंटर, पान ठेले, क्लब और फार्महाउस – हर जगह बिक रहा है नशा, और देख रही है बेबस पुलिस-प्रशासन!

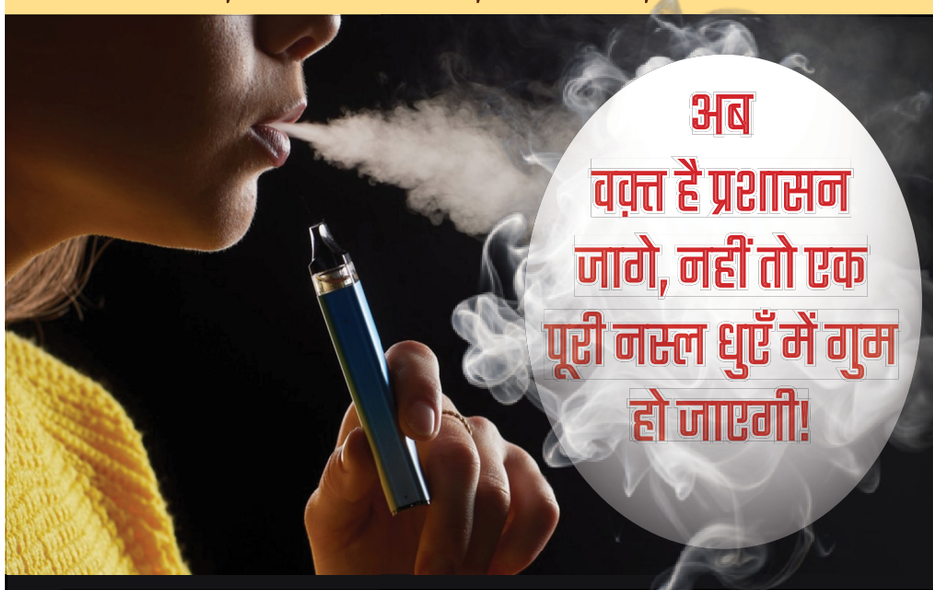

"दमन-डीएनएच-वलसाड-वापी: टूरिस्ट अड्डे या टॉक्सिक ज़ोन?"

जहाँ कभी टूरिज़्म का मतलब था — बीच, फूड, फ़ैमिली फ़न... वहाँ अब रात ढलते ही फैल जाता है धुएँ का कारोबार।
ई-सिगरेट, हुक्का फ्लेवर, गांजा और एल्कोहल — ये चार शब्द बन चुके हैं आज की युवा पीढ़ी की तबाही के सूत्र!

पार्टी के नाम पर बर्बादी की रातें

क्लब, फार्महाउस, और यहां तक कि हाईवे किनारे बने ढाबों और होटल काउंटरों पर रात के अंधेरे में चलता है हुक्का-पार्टी का गोरखधंधा।
बिना लाइसेंस, बिना रोक-टोक, बेखौफ नशे की बिक्री।

नाबालिग सबसे आसान निशाना

स्कूल-कॉलेज के बच्चे अब पार्टी के नाम पर नशे में झोंके जा रहे हैं।
पहली बार "मस्ती" के लिए ट्राय, फिर धीरे-धीरे "लत" — और फिर शुरू होता है चोरी, झूठ, आक्रामकता और मानसिक तबाही का सिलसिला।

हुक्का नहीं, मौत का कश

होटलों के पीछे बने 'सीक्रेट झोन' में बिना FSSAI या टंबाकू लाइसेंस के परोसे जाते हैं फ्लेवर हुक्के और केमिकली वेप्स।
इनमें छुपा होता है निकोटीन, क्लोनिंग ड्रग्स और कुछ मामलों में सिंथेटिक गांजा — जो सीधे दिमाग़ और शरीर को जकड़ लेता है।

प्रशासन की भूमिका — सिर्फ़ दर्शक?

पुलिस गश्त कहाँ है?
FDA की मॉनिटरिंग कहाँ है?
जिलाधिकारियों और नगर पालिकाओं की रिपोर्टिंग क्यों नहीं होती?
कितनी FIRs दर्ज हुई पिछले 6 महीनों में?
क्या टूरिज़्म के नाम पर ये सब जानबूझकर अनदेखा किया जा रहा है?

माँगें (जनहित में):

1. हर होटल, ढाबा, क्लब और पान दुकान की पब्लिक रिपोर्टिंग और जांच हो।
2. रात की पार्टियों पर ड्रग/हुक्का रेड के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई जाए।
3. बिना लाइसेंस ई-सिगरेट व वेप बेचने वालों को तुरंत अरेस्ट किया जाए।
4. स्कूल/कॉलेज और माता-पिता के लिए ज़रूरी नशा-जागरूकता अभियान शुरू किया जाए।

अंत में एक सवाल:

क्या हम अपने बच्चों के हाथों में किताब देंगे या हुक्का?
क्या टूरिज़्म के नाम पर ज़हर परोसने वालों को यूं ही खुली छूट देंगे?

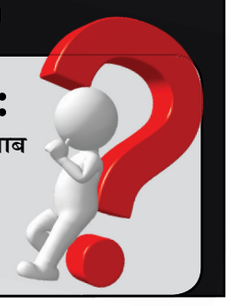

दमण में बिना अनुमति बनी मस्जिद पर प्रशासन की सख्ती: संचालक ने खुद शुरू किया ढांचा हटाना

डेयर टू शेयर - दमण

नानी दमण: नगरपालिका द्वारा बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जब अवैध निर्माण नहीं हटाया गया, तो दमण प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए खारीवाड विस्तार स्थित एक अपार्टमेंट की मस्जिद पर कार्रवाई की। यह मस्जिद आईस फैक्ट्री के पास अवैध रूप से बनाई गई थी। दमण नगरपालिका ने मकान मालिक को नोटिस जारी किया था, जिसमें बताया गया कि मस्जिद का निर्माण बिना पूर्व अनुमति और लाइसेंस के किया गया है। इसके साथ ही फ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI) का भी उल्लंघन पाया गया। नोटिस की अवधि के दौरान भी संचालकों द्वारा कोई कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं की गई और मकान मालिक का जवाब भी

संतोषजनक नहीं पाया गया। स्थिति को देखते हुए नगरपालिका ने इमारत के निवासियों को 15 दिनों के भीतर मकान खाली करने का आदेश दिया था। इसके बाद अवैध निर्माण को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। प्रशासन द्वारा तीन बार नोटिस दिए जाने के बाद, मस्जिद के संचालकों ने स्वयं ही ढांचा तोड़ने की कार्रवाई प्रारंभ की। प्रशासन की इस सख्ती से यह संदेश जनता के लिए है कि दमण में बिना अनुमति और नियमों के खिलाफ कोई भी धार्मिक या अन्य निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संपादकीय

विदेशी व्यापार संकट

अमेरिकी राष्ट्रपति के कारण निर्यात में गिरावट से अधिकांश देश अपनी विकास दर के अनुमान को कम करने पर मजबूर हो जाएंगे। चीन जैसे अमेरिका के कुछ सबसे मजबूत निर्यातकों ने पहले ही जवाबी कदम उठा लिए हैं। कई देश अपने व्यापार मार्गों और चैनलों को पुनः स्थापित करेंगे तथा लंबित समझौतों को पूरा करने के लिए व्यापार वार्ता में तेजी लाएंगे। वे प्रतिस्पर्धी बने रहने की अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए सुधार भी कर सकते हैं। जाहिर है, हम घरेलू और विदेश नीति के मोर्चों पर काफी हस्तक्षेप देख सकते हैं। ट्रम्प के कदमों का भारत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन नुकसान उतना नहीं होगा जितना पहले सोचा गया था। कुछ अनुमान बताते हैं कि इससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.3 प्रतिशत की हानि हो सकती है। जवाबी कार्रवाई पूरी होने के बाद ही इसका पूरा प्रभाव पता चलेगा। यह भी सच है कि हाल के वर्षों में भारत की अधिकांश वृद्धि घरेलू खपत और सार्वजनिक पूंजी निर्माण का परिणाम रही है। प्रत्येक देश जिसने लम्बे समय तक उच्च विकास हासिल किया है, वह निर्यात पर निर्भर रहा है। यदि हमें विकसित भारत बनने के लिए विकास में तेजी लानी है तो अकेले घरेलू खपत और निवेश पर्याप्त नहीं होंगे। हम इस बात से संतुष्ट हो सकते हैं कि हमारे प्रतिस्पर्धी देशों पर उच्च टैरिफ लगा दिए गए हैं और उन देशों से कुछ व्यवसाय भारत में स्थानांतरित हो सकते हैं। लेकिन यदि वैश्विक विकास दर धीमी हो जाती है, तो हमारे निर्यात की मांग भी कम हो जाएगी। नीति निर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और 2017 से लागू संरक्षणवादी उपायों को हटाने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा, हमें संरचनात्मक सुधारों में तेजी लानी होगी ताकि देश के विनिर्माण को प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। विभिन्न चल रही व्यापार वार्ताओं में भी तेजी लाने की आवश्यकता है। ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में अमेरिका को खुश करने के लिए टैरिफ कम करने का चलन चल पड़ा है, जिससे बचना जरूरी है। इसके बजाय, हमें इस अवसर का उपयोग व्यापक सुधारों को अपनाने के लिए करना चाहिए ताकि आंतरिक बाधाएं हमारी प्रतिस्पर्धा क्षमता में बाधा न बनें। सरकार को 1991 की तरह इसे भी एक अवसर बनाना चाहिए तथा घरेलू और विदेश नीतियों में सुधार करना चाहिए। उन्हें यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि हमारा लक्ष्य 2047 तक एक विकसित देश बनना है। देश में सुधार करने में हमारी विफलता का परिणाम टैरिफ बढ़ाने का प्रलोभन था। यह स्पष्ट है कि सरकार को सख्त कदम उठाने होंगे तथा भूमि एवं श्रम बाजार को खोलना होगा। लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपना आकार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ऐसे उत्पादों को बढ़ावा देना आवश्यक है जो अधिक श्रमिकों को रोजगार प्रदान करते हों। उन्हें बेहतर तकनीक अपनाने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित करना होगा। इसमें राज्य सरकारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हें श्रम सुधार अपनाने चाहिए और भूमि बाजार को उदार बनाना चाहिए ताकि उद्योग उचित मूल्य पर इसका उपयोग कर सकें। परिचालन सुधार महत्वपूर्ण हैं और 'एकल खिड़की मंजूरी' का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि प्रत्येक मंजूरी के लिए अलग खिड़की हो। वित्तीय बाजारों को मुक्त करना तथा व्यवसायों के लिए पर्याप्त एवं उचित ऋण दरें सुनिश्चित करना प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है और इसके लिए गंभीर वित्तीय सुधारों की आवश्यकता है। कर प्रणाली को सरल बनाने और प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग करने से पर्याप्त राजस्व उत्पन्न होगा, जिससे दरों को युक्तिसंगत बनाने में होने वाले नुकसान की भरपाई की जा सकेगी। अब, केन्द्र और राज्य स्तर पर नीति निर्माताओं को इसे समझना होगा और युवा कल्याण कार्यक्रम को अधिक सरल और व्यापक बनाने का प्रयास करना होगा। ट्रम्प के कार्यों से उत्पन्न अवसर को नहीं गंवाना चाहिए।

संपादक: मनोज रावल

उमरगाम तालुका के 2.32 लाख लोग नल से जल योजना से वंचित

डेयर टू शेयर - उमरगाम

उमरगाम तालुका की 2.32 लाख आबादी को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 2022 में लागू की गई नल से जल योजना ढाई साल से अधूरी है और लोग अपने नलों में पानी आने का इंतजार कर रहे हैं। पूर्व मंत्री जीतूभाई चौधरी ने उमरगाम तालुका के विभिन्न क्षेत्रों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सरीगाम में नल से जल योजना की आधारशिला रखी। इस परियोजना का पानी 33 गांवों की 368 फलियों तक पहुंचाया जाना था। इसके लिए 53 टैंक और 53 टैंक बनाए गए तथा स्टैंड पोस्ट लगाए गए। लेकिन आज ढाई साल बीत जाने के बावजूद भी नलों तक पानी न पहुंचने के कारण स्टैंड पोस्ट टूटकर नष्ट हो गए हैं। तालुका के 10 से 12 तटीय गांवों और सारीगाम जीआईडीसी के 5 किलोमीटर के भीतर के कुछ गांवों में गर्मियों में बोरवेल का पानी सूख जाता है। जबकि सरीगाम जीआईडीसी के आसपास के गांवों का पानी रसायनों से दूषित हो गया है और अब पीने योग्य नहीं है। इसके साथ ही तालुका के 24 गांवों के लिए जलापूर्ति योजना लागू की गई। इसका पूर्ण क्रियान्वयन नहीं होने पर सरकार ने वर्ष 2022 में उमरगाम फलिया कनेक्टिविटी जलप्रदाय योजना का क्रियान्वयन किया। जिसके लिए करोड़ों रुपए स्वीकृत किए गए। इस योजना को धरातल पर लागू करने की जिम्मेदारी जलदाय एवं वासमो विभाग को दी गई। जलदाय विभाग को मुख्य टंकी से फलिया टंकी तक पाइप लाइन और कनेक्शन बनाने का काम सौंपा गया। जबकि घरों में पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराने के कार्य की देखरेख की जिम्मेदारी वास्मो विभाग को दी गई थी। हालाँकि, यह योजना अभी तक पूरी नहीं हुई है। उमरगाम तालुका के 33 गांवों को पानी उपलब्ध कराने के लिए जल आपूर्ति बोर्ड ने फलिया कनेक्टिविटी योजना के तहत 53 टैंक और 53 जलाशयों का निर्माण किया है। सरिगाम तंब्या डुंगर पर 258.50 लाख लीटर का टैंक बनाया गया है। योजना बनाई गई है कि वलवाड़ा दमनगंगा नदी फिल्टर योजना का पानी पाइप लाइन के माध्यम से सीधे ताम्ब्या डूंगर टैंक में गिरेगा। इसके लिए एक लाइन ताम्ब्या डूंगर के मुख्य तालाब से फांसा कलाय तक तथा दूसरी लाइन संजान की ओर बिछाई गई है। संजन और मरोली गांव के बीच आने वाले गांवों को कवर किया गया है।

वलसाड में गुजरात एक्सप्रेसवे पर शराब के साथ सूरत के 4 लोग पकड़े गए

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड रेलवे स्टेशन पर गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन की जांच के दौरान रणकपुर एक्सप्रेस में सूरत की 4 महिलाएं और कडोदरा का एक पुरुष मिला तथा 5 अन्य को गिरफ्तार किया गया। वलसाड रेलवे पुलिस स्टेशन की एक टीम ने ट्रेनों और रेलवे स्टेशन क्षेत्रों में निषेध अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जांच की। जिसमें कदोदरा के कृष्णानगर निवासी कुंदन कुमार राउत को 14 बीयर टिन के साथ पकड़ा गया, जिसकी कीमत 2 लाख 50 हजार रुपये है। रणकपुर एक्सप्रेस में 1800 रु. गुजरात एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच की चेकिंग के दौरान जीआरपी सर्विलांस टीम को 18 बोतल शराब मिली। सूरत लिंबायत स्थित मराठी स्कूल की छात्रा अनिता मराठी से प्लास्टिक की थैली में रखे 900 रुपये और 24 बोतल शराब जब्त की गई। सूरत के पांडेसरा निवासी गीता करणसिंग से 1200 रु. सूरत गडोदरा की हेमा मिस्त्री को 18 बोतल 2500 रुपए की मिलीं। बैग से 900 रुपये एक प्लास्टिक की थैली में निकाले। 900 रुपये और सूरत के लिंबायत के कैलास नगर में रहने वाली शिला निसाद के पास 12 बोतलें मिलीं जिनकी कीमत 25 लाख रुपये थी। एक बैग में 600 रुपये छिपाए गए, कुल कीमत रु. 4500 मूल्य की शराब की बोतलें। जिन्हें मद्यनिषेध अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया था।

वलसाड नपा में अग्नि दिवस के अवसर पर उपकरणों की पूजा

डेयर टू शेयर - वलसाड

14 अप्रैल को वलसाड नगर पालिका अग्निशमन विभाग ने अग्निशमन दिवस के अवसर पर अग्निशमन उपकरणों की पूजा की। वलसाड नगर निगम अध्यक्ष मालतीबेन टंडेल, जिला भाजपा अध्यक्ष हेमंत कंसारा, लोकसभा अध्यक्ष, वलसाड-डांग सांसद धवल पटेल, वलसाड विधायक भरतभाई पटेल ने अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों और उपस्थित सभी लोगों को अग्निशमन दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला भाजपा महामंत्री कमलेश पटेल, शहर भाजपा अध्यक्ष दिव्यांग भगत, तालुका अध्यक्ष तेजसभाई पटेल, जिला सोशल मीडिया प्रभारी हितेश सुरती, शहर, तालुका संगठन पदाधिकारी, नगर पालिका सदस्य और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वलसाड-धरमपुर को जोड़ने वाला 23 किलोमीटर लंबा संकरा राज्य राजमार्ग अब चार लेन का हो जाएगा

डेयर टू शेयर - वलसाड

फोरलेन परियोजना के तहत वलसाड हाईवे चौराहे से धरमपुर तक 23.5 किलोमीटर लंबे राज्य मार्ग का निर्माण कार्य शुरू होने से दोनों तालुकाओं के हजारों लोगों में खुशी की लहर है, जो वलसाड और धरमपुर तालुकाओं के दूरदराज और गहन क्षेत्रों के लगभग 95 गांवों के लोगों के लिए एक पुल है। सरकार द्वारा 150 करोड़ रुपये का अनुदान आवंटित किया गया। सभी प्रारंभिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद, वलसाड जिला सड़क एवं भवन विभाग ने अब सड़क के संरेखण पक्ष पर काम शुरू कर दिया है। वलसाड धरमपुर चौराहे से धरमपुर तक इस राज्य मार्ग पर फोरलेन नहीं होने से भारी मालवाहक वाहनों, यात्री वाहनों तथा कार व बाइक चालकों को मानसून के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ता था। वलसाड विधायक भरतभाई पटेल ने गांधीनगर के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, वित्त मंत्री कनुभाई देसाई और सड़क एवं राजमार्ग मंत्री के समक्ष चार लेन वाली सड़क के लिए एक प्रस्तुति दी। धरमपुर विधायक अरविंद पटेल ने भी अपना पक्ष रखा। आरएंडबी विभाग, वलसाड द्वारा इस सड़क का विवरण विस्तृत प्रस्ताव के साथ सरकार को भेजे जाने के बाद, राज्य सरकार ने एक जॉब नंबर आवंटित किया और 150 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया। अन्य प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद, आरएंडबी ने लोगों को असुविधा से बचाने के लिए साइड वर्क के साथ धरमपुर चौकड़ी वलसाड से इस चार लेन राजमार्ग का काम शुरू कर दिया है। नासिक, शिरडी यात्रा, कर्मचारियों, विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगी। साईं भक्तों के लिए यह फोरलेन नासिक और शिरडी साईं मंदिर की यात्रा के लिए वरदान साबित होगा। काम के लिए वापी और सूरत जाने वाले ग्रामीण सिविल सेवकों और सरकारी कर्मचारियों को फोरलेन से जल्दी आने-जाने की सुविधा मिलेगी।

वलसाड के कपराड़ा में 24 साल से स्कूल क्लर्क की महेकम को मंजूरी ना देने पर मंत्री को रजुआत की

डेयर टू शेयर - वलसाड

गुजरात राज्य के अखिल आदिवासी सरकारी कर्मचारी मैत्री सम्मेलन का आयोजन पिछले रविवार को गांधीनगर टाउन हॉल में किया गया। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर की उपस्थिति में आयोजित किया गया। जिसमें सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष प्रदीपभाई गरासिया ने प्रत्येक विभाग के प्रश्न प्रस्तुत किए। शेष प्रश्न विभिन्न विभागों के सरकारी कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से पूछे गए। जिसमें वलसाड जिले से हरेश पटेल ने समस्या रखी कि कपराडा तालुका में पिछले 24 वर्षों से शिक्षा विभाग में कोई क्लर्क स्वीकृत नहीं हुआ है। और स्थानांतरण शिविर के कुछ नियमों के आधार पर, एचटीएटी शिक्षकों को 400 से 300 बच्चों की अधिक संख्या वाले स्कूलों से 200 से 150 बच्चों की कम संख्या वाले स्कूलों में क्यों स्थानांतरित किया जा रहा है? शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए एचटीएटी शिक्षकों की भर्ती की गई है, लेकिन यहां नियमों में ढील के कारण वे कम विद्यार्थियों वाले स्कूलों में जा रहे हैं। इससे केंद्रीय विद्यालयों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों वाले बड़े विद्यालयों के प्रशासन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जिसमें पूर्ण मानक लेकर प्रशासनिक कार्य करने तथा ऑनलाइन कार्य करने से स्कूली बच्चों की पढ़ाई पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। शिक्षा मंत्री के ध्यान में लाया गया कि जिला पंचायत शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरकारी स्कूल में पहली से पांचवीं कक्षा तक पढ़ने वाला बच्चा ही पांचवीं कक्षा में सीईटी परीक्षा दे सकता है। जब वह बच्चा मेरिट सूची में आता है तो उसे अपने मूल स्कूल से केवल 5,000 रुपये की छात्रवृत्ति मिलती है, जबकि यदि वही बच्चा किसी निजी स्कूल में पढ़ता है तो उसे 20,000 रुपये की छात्रवृत्ति मिलती है। ऐसा क्यों है? मांग की गई कि अगर सरकारी स्कूल का शिक्षक मेहनत करता है तो उसे सरकारी स्कूल में भी 20 हजार रुपए मिलने चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वलसाड जिले से दिनेश खांडवी, अशोक पटेल, उत्तम पटेल, जयेश पाडवी, प्रकाश निकुलिया, नीलेश निकुलिया, हिनाबेन कृष्णा, महेंद्र, अनिल, नीलमबेन गणेश, नवीन, रमजू जैसे सामाजिक कार्यकर्ता इस सम्मेलन में शामिल हुए।

वलसाड-बांद्रा लोकल ट्रेन बहाल न होने से यात्री नाराज

डेयर टू शेयर - वलसाड

यह समझ से परे है कि केंद्र सरकार रेलवे वलसाड से शाम को वलसाड-बांद्रा लोकल ट्रेन को फिर से शुरू करने में देरी क्यों कर रही है। यह ट्रेन वलसाड से बांद्रा तक यात्रा करने के लिए वरदान साबित हुई। यात्रियों के बीच इस ट्रेन को पुनः शुरू करने की मांग बढ़ रही है। यह ट्रेन पहले वलसाड से 4.35 बजे रवाना होती थी। जिसे 4:30 वाली लोकल के नाम से जाना जाता था, लेकिन कोरोना के कारण सभी ट्रेनें बंद होने के बाद इस ट्रेन का समय बदलकर 4.55 कर दिया गया। इतना ही नहीं, इस ट्रेन का नाम बदलकर वलसाड-बांद्रा स्पेशल कर दिया गया। अब वह ट्रेन बंद कर दी गई है और लोगों को कोई विकल्प नहीं दिया गया है। रेलवे स्टेशनों के सौंदर्यीकरण के बजाय इस बात पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है कि रेलगाड़ियां, जो लोगों के लिए यात्रा के लिए उपयोगी हैं, समय पर चलें। इस ट्रेन के बंद होने के बाद उधना-बांद्रा इंटरसिटी ट्रेन को वलसाड से विरार तक सभी स्टेशनों पर खड़ा रखने की व्यवस्था की गई है। लेकिन उधना-बांद्रा इंटरसिटी ट्रेन गुरुवार और शुक्रवार को नहीं आती है। तब लोग क्या करेंगे? किसी को इसकी चिंता नहीं है। वलसाड से बांद्रा जाने के लिए वलसाड लोकल को पुनः शुरू करना बहुत जरूरी है। इस ट्रेन को रोकने के पीछे पश्चिम रेलवे का तर्क क्या है? यह बात समझ से परे लगती है। अब क्या लोगों को इस ट्रेन को फिर से चलाने के लिए विरोध प्रदर्शन करना पड़ेगा? इसको लेकर रेल यात्रियों में चर्चा है। उधना-बांडवा इंटरसिटी वलसाड से विरार तक सभी स्टॉप बनाती है, लेकिन किराया सुपरफास्ट के रूप में लिया जाता है। वर्तमान में, नए रेलवे नियमों के अनुसार, स्थानीय टिकट लेकर आरक्षित कोच में चढ़ने वाले यात्रियों पर रेलवे द्वारा जुर्माना लगाया जाता है। इस प्रकार, लोकल ट्रेन सुविधाओं की कमी के कारण, देश भर में प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है क्योंकि उन्हें ट्रेनों में जनरल डिब्बों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिलती हैं। ऐसे हालात में वलसाड-बांद्रा लोकल ट्रेन रोक दी गई है। इसे पुनः शुरू करने की मांग की जा रही है।

कोला का मालिक कई वर्षों से फर्जी पासपोर्ट बनाकर लोगों को विदेश भेज रहा था।

डेयर टू शेयर - वापी

एसओजी ने उमरगाम के मरोली निवासी इसाम को फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश जाने से पहले ही पकड़ लिया। उसके पास से तमाम फर्जी दस्तावेज बरामद हुए, उसे जब्त कर लिया गया तथा पासपोर्ट बनाने वाले को वांछित घोषित कर कार्रवाई की गई। पता चला है कि पासपोर्ट बनाने वाला व्यक्ति, जो मूल रूप से दमन का रहने वाला है और वर्तमान में कोलकाता में रहता है, वर्षों से लोगों के फर्जी पासपोर्ट बना रहा है। उमरगाम मरोली के बरियावड निवासी राजेश बाबूभाई बारी अपने स्वयं के वित्तीय लाभ के लिए राजेश बागान रणछोड़ के झूठे नाम से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बनवाए गए जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, चुनाव कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, शपथ पत्र जैसे दस्तावेज प्राप्त कर पुर्तगाल जाने की योजना बना रहा था। आरोपी ने सरकारी कार्यालयों में एक सिविल सेवक के समक्ष झूठे दस्तावेजों को असली के रूप में प्रस्तुत किया, जिसके आधार पर उसने झूठे नाम से एक भारतीय पासपोर्ट, एक पुर्तगाली पासपोर्ट और पुर्तगाली गणराज्य का पहचान पत्र प्राप्त किया। 15 दिन बाद विदेश जाने से पहले ही एसओजी ने उसे पकड़ लिया और पासपोर्ट बनाने वाले आरोपी मोहसिन अब्दुल रजाक को भी गिरफ्तार कर लिया। नानी दमन अमृता हाइट्स सागर सम्राट रोड मूल निवास। कोलक बरियावद पारदी को वांछित घोषित कर दिया गया है तथा आगे की जांच शुरू कर दी गई है। भास्कर की पड़ताल में सामने आया है कि आरोपी मोहसिन अब्दुल रजाक सालों से पारडी के कोलाक गांव में रह रहा है और अपने घर से ही लोगों के फर्जी पासपोर्ट बना रहा है। दस दिन पहले लंदन से पैसा आया। लंदन से एक व्यक्ति ने 10 दिन पहले आरोपी मोहसिन अब्दुल रजाक की पत्नी को पैसे भेजे थे। जो पैसा प्रतिवादी ने अपनी पत्नी के खाते में नहीं भेजा था, उसे उसने दमन के एक व्यक्ति के खाते में भेज दिया और नानी उसे लेने दमन चली गई। यह पैसा किस लिए था, यह भी जांच का विषय है।

लापता अधेड़ व्यक्ति का शव घदोई झील में मिला

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड के घड़ोई गांव निवासी 58 वर्षीय व्यक्ति, जो 2 दिन से लापता था, का शव गांव के तालाब में मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीण पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। वलसाड तालुका के घड़ोई गांव में रहने वाले 58 वर्षीय जितेंद्रभाई प्रजापति दो दिन पहले पास के मंदिर जाने के लिए घर से निकले थे। बाद में जब वह देर शाम तक वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। हालांकि, जब कोई सुराग नहीं मिला तो वलसाड ग्रामीण पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। इस बीच रविवार को जब पास के मंदिर के पास तालाब में एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला तो गांव के लोग एकत्र हो गए और शव को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया।

वापी नगर निगम गठन के बाद नई सड़कों के निर्माण से व्यवधान, जलापूर्ति ठप

डेयर टू शेयर - वापी

वापी नगर निगम क्षेत्र में स्थित वापी मच्छी मार्केट, नाजाभाई रोड, वापी देसाईवा नीलकंठ रेजीडेंसी, रामा रेजीडेंसी और राम मंदिर के पास वापी मच्छी मार्केट देसाईवाड में पेयजल की कमी को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उधर, नगर पालिका इंजीनियर के अनुसार सड़क निर्माण कार्य के दौरान पानी की लाइन टूटने से यह समस्या उत्पन्न हो रही है। वापी महानगर पालिका के गठन के बाद शुरुआत में सड़क, सफाई और उद्यानों से जुड़ी समस्याएं ज्यादा थीं, लेकिन पिछले तीन महीनों में पेयजल से जुड़ी शिकायतें ज्यादा आने लगी हैं। जिसमें जलापूर्ति में अक्सर लीकेज की घटनाएं होती रहती हैं। जिसके कारण जलापूर्ति पर सीधा असर पड़ रहा है। जबकि पूर्व सरपंचों का कहना है कि नगर पालिका में शामिल 11 गांवों में भी पानी की समस्या का त्वरित समाधान नहीं हो रहा है। अंधाधुंध खुदाई से क्षतिग्रस्त हुए वापी शहर में इस समय पुल, सड़क और अंडरपास समेत कई छोटी-बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। डीजीवीसीएल द्वारा भूमिगत कार्य भी चल रहा है। जिसके कारण खुदाई के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो रही है, जिसकी तत्काल मरम्मत नहीं हो पा रही है। इसके कारण लोगों को पानी के लिए दो से तीन दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। साइट पर काम करने वाले एजेंसी कर्मियों को नगर निगम के साथ समन्वय करना चाहिए। ताकि समय-समय पर पानी की लाइन में लीकेज की समस्या कम हो सके। उच्च अधिकारियों द्वारा ठेकेदारों को निर्देश देना भी आवश्यक है।

हनुमान जयंती उत्सव: दादरा नगर हवेली में धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया

डेयर टू शेयर - सेल्वासा

दादरा नगर हवेली में हनुमान जयंती का उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सिलवासा के आमली स्थित हनुमानजी मंदिर में भव्य आयोजन किया गया, जिसमें महाप्रसाद, पूजा-अर्चना और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। - दानह की सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी श्रीमती कलाबेन डेलकर ने अपनी टीम के साथ हनुमान जी के दर्शन कर महाप्रसाद लिया। - बड़ी संख्या में भक्तों ने पूजा-अर्चना की और हनुमान दादा का शृंगार किया। - मंगला आरती और हवन का आयोजन किया गया। - नैवद्य आरती के बाद रामभक्त पवनपुत्र हनुमान जी को भोग लगाया गया और भंडारे का आयोजन किया गया।

दिल्ली यूनिवर्सिटी से मास्टर डिग्री, सिलवासा के उद्योगपति की पुत्रवधू बनी गोल्ड मेडलिस्ट सिलवासा के प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल दीक्षित की पुत्रवधू ज्योति ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से मास्टर डिग्री हासिल कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। यह उपलब्धि हासिल करने पर अनिल दीक्षित ने खुशी जताई और कहा कि यह उनके परिवार और क्षेत्र के लिए गर्व का पल है। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, Lieutenant General श्री विनय कुमार सक्सेना और Education Minister श्री आशीष सूद ने ज्योति को गोल्ड मेडल प्रदान किया। अनिल दीक्षित ने कहा कि ज्योति की इस उपलब्धि से साबित होता है कि कड़ी मेहनत और समर्पण से सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अगर दिल में जुनून और इरादा मजबूत हो तो कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है। ज्योति की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनकी इस सफलता से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी।

वापी में सीवेज के लिए खोदा गया गड्ढा खुला रहने से स्थानीय लोग परेशान

डेयर टू शेयर - वापी

वापी-बलिठा में जीईबी के पीछे सोसायटी के लिए नगर निगम द्वारा खोदे गए गड्ढे का निर्माण पूरा नहीं होने से एक हजार से अधिक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खुली नालियों और वाहनों के गुजरने में कठिनाई के कारण लोग मच्छरों के प्रकोप से परेशान हैं। नगर निगम ने वापी बलीठा जीईबी के पीछे स्थित एकता मार्ग, त्रिवेणी सोसायटी में सीवर जाम होने के कारण सोसायटी का सीवर बंद कर वैकल्पिक गड्ढा खोदकर नई सीवर लाइन बिछाने का काम शुरू किया था। हालाँकि, गड्ढा खोदने के बाद, इस जगह में कोई बदलाव नहीं आया। इसलिए बच्चों के खुले सीवर में गिरने के डर के साथ-साथ मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। आस्था होम बिल्डिंग और राजनगर समेत इस इलाके में एक हजार से ज्यादा लोग परेशान हैं, जहां 150 से ज्यादा फ्लैट हैं। सड़क के बगल में नाले की खुदाई से निकली मिट्टी सड़क पर फैल गई है, जिसके कारण केवल एक ही वाहन गुजर सकता है। स्थानीय लोगों की मांग है कि नगर निगम इस समस्या का तुरंत समाधान करे।

उमरगाम के सोलसुम्बा में देवर ने अपनी भाभी के पेट पर चप्पू से तीन वार किए।

डेयर टू शेयर - उमरगाम

मूल रूप से कासगंज जिले के निवासी मंगलसिंह अमरसिंह पाल, उमरगाम तालुका के सोलसुम्बा गांव में गेट के बाहर जानकीनगर रॉयल बिल्डिंग की पहली मंजिल पर कमरा नंबर 101 में रहते हैं। पिछले कुछ महीनों से पारिवारिक भाई उमेश चंद अमर पाल के साथ एक कमरे में रह रहा था। जिसकी शादी समाज के रीति रिवाज के अनुसार सरिता पाल यू.वी. द्वारा तय की गई थी। यह तीन साल पहले मेरे गृह नगर में 26 के साथ हुआ था। मंगल सिंह उमरगाम में एक बड़ी कंपनी में काम करते हैं। उनके भाई उमेश चंद्र पाल, जो अपने गृहनगर से अपनी पत्नी के साथ कमरे में रह रहे थे, ने उन्हें अन्य स्थान पर रहने के लिए भेज दिया था। इससे वह बहुत दुखी हुआ और उसके मन में द्वेष उत्पन्न हो गया। दो दिन पहले, शिकायतकर्ता सरिता पाल अपने एक साल के बेटे के साथ अकेली थी, जब आरोपी उमेश चंद्र पाल शाम 5 बजे उसके घर आया और कहा, "तुमने मेरे भाई को अपने हाथों में ले लिया है। तुम्हारी वजह से मेरे भाई ने मुझे घर से निकाल दिया है।" वह क्रोधित हो गया और सरिता को थप्पड़ मार दिया। तभी भाभी सरिता ने उसका हाथ पकड़ लिया तो उसने चाकू निकाला और भाभी सरिता के बायीं तरफ दो-तीन वार कर दिए। वह खून से लथपथ थी और चिल्ला रही थी। उमेश तभी भाग गया जब बगल वाली बिल्डिंग में रहने वाला जावेद नाम का व्यक्ति आया और बोला, "तुम मेरे भाई हो।" घटना के बाद सरिता को रिक्शे से सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां उसके पति को आगे के इलाज के लिए स्थानांतरित कर दिया गया है

डुंगरा में भाजपा के कार्यक्रम में हुए बवाल के अगले दिन सड़क का काम फिर शुरू

डेयर टू शेयर - वापी

वापी डूंगरा वार्ड क्रमांक 5 में साची हाइट्स हरिया पार्क, डूंगरा में मंगलवार शाम 6 बजे वापी शहर भाजपा अध्यक्ष मनीषभाई देसाई की नियुक्ति पर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया था, लेकिन कार्यक्रम से पहले ही स्थानीय लोगों ने हंगामा खड़ा कर दिया और मांग की कि वार्ड क्रमांक 5 में देगाम रोड और सेलवास रोड को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण क्यों नहीं किया जा रहा है। इस घटना के अगले दिन गुजरात सरकार के वित्त मंत्री और पारडी विधायक कनुभाई देसाई ने वापी नगर निगम के अधिकारियों को तुरंत सड़क का नवीनीकरण करने का निर्देश दिया। इसको लेकर वापी नगर

निगम की टीम ने बुधवार सुबह ही मौके पर सड़क नवीनीकरण का काम शुरू कर दिया। वापी शहर भाजपा अध्यक्ष मनीष देसाई ने कार्य का निरीक्षण किया। सड़क का काम शुरू किया गया, विशेष रूप से पहाड़ी इलाकों के स्थानीय लोगों की भागीदारी से। आने वाले दिनों में स्थानीय लोग नई सड़क का उपयोग कर सकेंगे। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष परेश देसाई ने बताया कि सड़क का काम तत्काल शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में राजनीतिक समीकरण क्या होंगे, इस पर डुंगरा में बैठक हो रही है।

वापी स्टेशन से गांधी सर्किल तक का मार्ग 30 दिन तक बंद रहेगा

डेयर टू शेयर - वापी

वापी नगर निगम के सिटी इंजीनियर ने बताया कि 18 अप्रैल से 30 दिनों के लिए रेलवे स्टेशन टिकिट बाड़ी (पूर्व) से सरदार मार्केट लागू रोड पर कोपरली या सेलवास रोड और वापी शहर से जे-टाइप रोड और टंकी फलिया रोड पर नव नाला/जूना नाला से पूर्वी भाग तक डायवर्जन प्रदान किया जाएगा। इस सड़क के आरसीसी बन जाने से वापी के हजारों वाहन चालकों को राहत मिलेगी। इस सड़क को आरसीसी बनाने की मांग लंबे समय से चल रही है। जबकि वर्तमान में वापी कचीगाम रोड का नवीनीकरण कार्य शुरू किया गया है। वापी नगर निगम द्वारा सड़क का काम मानसून से पहले पूरा कर लिया जाएगा। इसलिए, वर्तमान में वापी शहर की सड़कों पर सड़क निर्माण का काम देखा जा रहा है। विशेषकर वापी शहर की महत्वपूर्ण सड़कों को आरसीसी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार अब वापी रेलवे स्टेशन रोड से गांधी सर्किल की ओर जाने वाला एकतरफा मार्ग 30 दिन के लिए बंद रहेगा। नया नाला-पुराना नाला से पूर्वी भाग तक जाने के लिए जे-टाइप सड़क-टैंक फलिया रोड पर डायवर्जन प्रदान किया जाएगा।

सरीगाम कंपनी में पाइप फटने से मजदूर गंभीर रूप से झुलसा

डेयर टू शेयर - भिलाड

कल सरीगाम के रासायनिक क्षेत्र में स्थित एक कंपनी में उत्पादन प्रक्रिया के दौरान पाइप फटने से एक श्रमिक झुलस गया, जिसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्लॉट नंबर। उमरगाम तालुका में सारीगाम जीआईडीसी के रासायनिक क्षेत्र में। मई 2906 में आया। वैलिएंट ऑर्गेनिक लिमिटेड एक रासायनिक उत्पादों में शामिल कंपनी है। इस वैलिएंट कंपनी में सोमवार 14 अप्रैल को दोपहर करीब 3.30 बजे उत्पादन प्रक्रिया के दौरान खराबी के कारण पाइपलाइन फट गई। पाइपलाइन से एक ज्वलनशील तरल पदार्थ निकला और 30 वर्षीय श्रमिक मेहुल पटेल की छाती और गर्दन के अगले हिस्से पर लगा, जिससे वह जल गया। उन्हें उपचार के लिए भिलाड के निकट एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। भिलाड के सामाजिक नेता मितेश पटेल ने लिखित शिकायत कर जिले के उच्च अधिकारियों का ध्यान दुर्घटना की ओर आकर्षित किया है। हालाँकि, कारखाना निरीक्षक द्वारा इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करना आवश्यक है। वलसाड जिले में कंपनी की लापरवाही के कारण श्रमिक अक्सर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।

मंदिर जा रहे एक युवक कि आकस्मिक मोत

डेयर टू शेयर - कपराड़ा

कपराड़ा में घर के सामने हनुमानजी मंदिर पर बैठने गए एक युवक को सड़क पार करते समय कंटेनर चालक ने टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। दूसरे अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो जाने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। कपराडा के मंदिर फलिया में रहने वाली सोनलबेन हलपति 13 अप्रैल को अपने पिता लखनभाई ठाकरे के साथ पीर दिनबारी फलिया में मौजूद थीं। रात साढ़े आठ बजे मेरे पिता घर के सामने हनुमान मंदिर में जाकर बैठ गए। मंदिर के सामने हाईवे पार करते समय एक कंटेनर चालक ने उन्हें कुचल दिया और उनके पैर कुचल दिए, जिससे उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। इसलिए जब उसे 108 के माध्यम से उपचार के लिए कपराड़ा सरकारी अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टर ने उसे धरमपुर राजचंद्र अस्पताल ले जाने को कहा। 45 वर्षीय लखनभाई की एम्बुलेंस में मौत के बाद सोमवार को अज्ञात कंटेनर चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई।

वापी में अनुबंध परिवर्तन के बाद कुछ क्षेत्रों में सफाई को लेकर शिकायतें अधिसूचित

डेयर टू शेयर - वापी

वापी अधिसूचित क्षेत्र में सफाई अनुबंध में परिवर्तन किया गया है। सफाई कार्य की जिम्मेदारी एक नए ठेकेदार को सौंपी गई है। जिसके चलते शुरुआत में शिकायतें मिली थीं कि कुछ सोसायटियों में कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है। हालांकि, नोटिफाइड के सूत्रों ने बताया कि चूंकि सफाई अनुबंध में बदलाव किया गया है, इसलिए कचरा संग्रहण कुछ दिनों तक सामान्य रूप से जारी रहेगा। वापी अधिसूचित क्षेत्र में डोर-टू-डोर सफाई का काम किया जा रहा है। अभी तक सफाई से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि, पिछले दो दिनों से शिकायतें मिल रही हैं कि गुंजन क्षेत्र की सोसायटियों में कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है। सोसायटी के सामने कूड़ा एकत्र देखा गया। कुछ जागरूक नागरिकों ने इस मामले की जानकारी नोटिफाइड के कर्मचारियों को भी दी, लेकिन नोटिफाइड के सूत्रों ने बताया कि अब नोटिफाइड का सफाई अनुबंध बदल दिया गया है। सफाई का काम दूसरों को सौंप दिया गया है। इसलिए इस काम को सामान्य रूप से पूरा होने में कुछ दिन लगेंगे। दूसरी ओर, वापी अधिसूचित क्षेत्र में सड़कों के किनारे लगाए गए पेड़ भी सूख रहे हैं। इसे बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि अगर सड़कें सूखी रहेंगी तो सजावट के लिए किए गए प्रोजेक्ट बेमानी हो जाएंगे। इसके चलते संबंधित विभाग से इस मामले का निरीक्षण करने की मांग की गई है।

उमरगाम रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे सर्विस रोड के काम में बाधा बन रहे हैं ठकेल वाले

डेयर टू शेयर - उमरगाम

लोग खुश थे कि उमरगाम रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज की वर्षों पुरानी यातायात समस्या खत्म हो जाएगी, लेकिन कुछ अराजक तत्वों द्वारा दबाव हटाने में आनाकानी के कारण एप्रोच रोड के काम में बाधा आ रही है। उमरगाम रेलवे फाटक पर पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाले स्टेशन के पास फ्लाईओवर ब्रिज को बने दो साल हो गए हैं, लेकिन फ्लाईओवर ब्रिज के निर्माण के समय ब्रिज के मध्य से पूर्व की ओर 13 मीटर और पश्चिम की ओर 15 मीटर जमीन अधिग्रहण करने का निर्णय लिया गया था। हालांकि उस समय सीमांत क्षेत्रों में निर्मित संरचनाओं को हटाने के लिए संपत्ति मालिकों को मुआवजा दिया गया था, लेकिन कुछ लोगों ने मुआवजा राशि प्राप्त करने के बाद भी संरचनाओं को नहीं हटाया है। फ्लाईओवर ब्रिज के दोनों ओर कुछ लोग काम में बाधा डाल रहे हैं। संपर्क मार्ग पर अधूरे काम के कारण पिछले मानसून में लोगों की स्थिति दयनीय हो गई थी। संकीर्ण मार्ग के कारण स्टेशन की ओर जाने वाली एसटी बस सुविधा बंद कर दी गई है। फिलहाल फ्लाईओवर

ब्रिज के दोनों ओर सीमेंट कंक्रीट सड़क का काम चल रहा है। एजेंसी को सिस्टम द्वारा निर्धारित दायरे में काम करने में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसाती पानी की निकासी के लिए नालियां बिछाई जा रही हैं, जिसके बाद सड़क का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन कुछ लोगों ने दबाव नहीं हटाया है और बार-बार काम रोकने से देरी हो रही है। दबाव हटाने की जिम्मेदारी सड़क एवं भवन विभाग की है, लेकिन ऐसा लगता है कि दबाव हटाने में इन अधिकारियों के हाथ कांप रहे हैं। हालांकि लोगों की मांग है कि पुलिस बल की मदद से मानसून से पहले काम पूरा किया जाए।

3 तालाबों में खुदाई और पानी निकासी को लेकर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड तालुका, फणसवाड़ा और भदेली जगलाला तथा पारडी तालुका के असमा गांवों की कुल 3 झीलों से पानी खाली होने से ग्रामीणों में काफी गुस्सा है। इस मामले में सरपंचों द्वारा ग्रामीणों के समक्ष यह मुद्दा उठाया जा रहा है कि वे बिना अनुमति के यह कार्य कर रहे हैं, लेकिन ग्रामीणों ने सरपंचों पर पंप लगाने और झीलों से पानी निकालने का आरोप लगाते हुए भारी हंगामा किया और कहा कि यह कार्य अवैध है। पारडी तालुका के असमा गांव के ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत कलेक्टर से की है। वहीं वलसाड के भडेलीजगाला में कुछ लोगों ने झील से अवैध रूप से पानी निकालने को लेकर सरपंच के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है। इसके साथ ही वलसाड के फलांसवाड़ा में ग्राम सभा में ग्रामीणों ने झील से पानी और मिट्टी निकाले जाने के खिलाफ जवाब मांगा। सरपंच के जवाब से असंतुष्ट होकर बैठक में भारी हंगामा हुआ। ग्रामीणों ने महिला सरपंच से कहा कि यदि उन्हें झील के बारे में जानकारी नहीं है तो वह इस्तीफा दे दें। पता चला है कि सरपंच ने इस्तीफा दे दिया है। करीब एक माह पहले जब वलसाड के फांसीवाड़ा में मिट्टी खनन और जल निकासी का मामला प्रकाश में आया था, तो स्थानीय लोगों ने कलेक्टर को शिकायत दी थी। हालाँकि, सरपंच द्वारा कोई कार्रवाई नहीं

की गई और लोगों ने ग्राम सभा बुलाने की मांग की। इसको लेकर निवासियों ने पंचायत के सरपंच और उपसरपंच को घेर लिया जो तालुका पंचायत के प्रतिनिधि अधिकारी की उपस्थिति में गांव के मंदिर के पास ग्राम सभा कर रहे थे। जिसमें सरपंच ने कोई जानकारी न होने की बात कहते हुए इस्तीफा देने को कहा। सरपंच ने इस्तीफा दे दिया और तलाटी ने उपसरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिससे मामला गरमा गया। यहां तक कि ग्रामीणों को भी आसमा झील के खाली होने की जानकारी नहीं है। पारडी के असमा गांव में मिट्टी की खुदाई और झील से पानी निकाले जाने को लेकर काफी हंगामा हो रहा है। इस मामले में मंगलवार को ग्रामीणों ने वलसाड कलेक्टर को एक याचिका सौंपकर गांव की झील की खुदाई और निकासी में पूर्व पंचायत पदाधिकारियों और प्रशासकों की कथित मिलीभगत के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

संघ प्रदेश के दमण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य पर 'जय भीम पदयात्रा' सम्पन्न

डेयर टू शेयर - दमण

संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में तथा खेल एवं युवा मामले के सचिव डॉ. अरुण टी के निर्देशानुसार और खेलकूद निदेशक अरूण गुप्ता के सहयोग से संघ प्रदेश के दमन जिले में लाइट हाउस, मोती दमण से मोती दमण किले से प्रवेग रिज़ॉर्ट से लाइट हाउस तक डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर 'जय भीम पदयात्रा' का आयोजन किया गया। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा भारत के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश भर में वर्ष भर चलने वाली पदयात्राओं की एक विशेष श्रृंखला प्रारंभ की गई है। इन पदयात्राओं का उद्देश्य देश की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाना, युवाओं को प्रेरित करना, और राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। अब तक देश के 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 8 सफल पदयात्राओं का आयोजन किया जा चुका है। यह पहल माय भारत स्वयंसेवकों, नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कॉर्पस् और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सक्रिय सहयोग से संचालित हो रही है। कार्यक्रम की शुरुआत में माननीय प्रशासक के सलाहकार अमित सिंगला, युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के सचिव डॉ. अरुण टी और निदेशक अरुण गुप्ता ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात, निदेशक अरुण गुप्ता ने सभी युवाओं को भारतीय संविधान की उद्देशिका का पाठन करवाया। बाल भवन बोर्ड के द्वारा अंबेडकर जी के विचारों को देशभक्ति नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित "जय भीम पदयात्रा" में 450 से अधिक युवाओं ने प्रतिभाग कर लोगों को जागरूक किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के संविधान के मुख्य निर्माता थे। वे एक महान समाज सुधारक, कानून के जानकार, अर्थशास्त्री और विचारक थे। उन्होंने अपने जीवन में हमेशा छुआछूत, जाति भेदभाव और समाज में फैली असमानता के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने दलितों और कमजोर वर्गों को शिक्षा, अधिकार और आत्मसम्मान पाने की दिशा में काम किया। उनके विचार आज भी करोड़ों लोगों को इंसाफ, समानता और भाईचारे की राह दिखाते हैं। इन्हीं आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने और युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में, संघ प्रदेश के युवा मामले एवं खेल विभाग और माय भारत द्वारा 13 अप्रैल, 2025 को 'जय भीम पदयात्रा' आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक राजेश हलपति और शिक्षकगण की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम को सफल आयोजन में खेल एवं युवा विभाग के अधिकारी अक्षय कोटलवार, देवराज सिंह राठोड़, नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा आधिकारी अनुपम कैथवास, एवं बाल भवन बोर्ड के अधिकारी मनोज गोस्वामी की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन राजेश टंडेल द्वारा किया गया।

दादरा नगर हवेली और दमन एवंदीव भ्रष्टाचार ननवारण इकाई (Anti-Corruption Unit)

भ्रष्टाचार केखिलाफ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

डेयर टू शेयर - दमण

संघप्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवंदीव केमाननीर् प्रशासक श्री प्रफुल पटेलजी के सफल नेतृत्व मेंसंघ प्रदेशमेभ्रष्टाचार ननवारण इकाई की स्थापना साल 2019 मे हुई थी। भ्रष्टाचार ननवारण इकाई द्वारा आज एक ववशेषजागरूकता कार्यक्रम का आर्ोजन दमण के मरवड़ पंचार्त क्षेत्र मेंककर्ा गर्ा। जजसमे मरवड, दलवाड़ा, कडैर्ा, भीमपोर गाँव के लोग मोजूद थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्र् आम नागररकों को भ्रष्टाचार के दुष्पररणामों के प्रनत जागरूक करना और ईमानदारी, पारदर्शयता तथा उत्तरदानर्त्व की भावना को प्रोत्सादहत करना था।

इस कार्यक्रम मे300 से400 लोगों नेदहस्सा र्लर्ा था थे जजसमेबढ़चढ़कर मदहला ओनेभी दहस्सा र्लर्ा। सभी मोजूद लोगों को भ्रष्टाचार ननवारण इकाई द्वारा संबोधीत ककर्ा गर्ा और भ्रष्टाचार की सामाजजक, आर्थयक और नैनतक क्षनत पर प्रकाश डालतेहु ए कहा: "भ्रष्टाचार केववरुद्ध लड़ाई के वल ननर्मों और कानूनों की नहीं, बजकक हर नागररक की नैनतक प्रनतबद्धता और साहस की भी है। जब हर व्र्जतत 'ना' कहेगा ररश्वत को, तभी एक न्र्ार्संगत और पारदशी समाज की नींव रखी जा सके गी।"कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों को भ्रष्टाचार की पहचान और उसकेप्रकार, ररश्वतिोरी केदु ष्पररणाम और इससे बचाव केउपार्, भ्रष्टाचार की र्शकार्त दजयकरनेकी प्रकक्रर्ा और गोपनीर्ता, र्ुवाओं मेंनैनतक र्शक्षा और नागररक जजम्मेदाररर्ों का ववकास के बारे मे जानकारी दी गई।अंत मे कार्यक्रम मे बढ़-चढ़कर दहस्सा लेने वाले सभी लोगों ने आश्वाशन ददर्ा की प्रदेश को भ्रष्टाचार-मुतत एवं प्रदेश को आगे ले जाने के र्लए सहर्ोग करेंगेऔर प्रशासक महोदर्जी का ववजन भ्रष्टाचार-मुतत संघप्रदेश का ननमायण करने मे सहर्ोग करेंगे ।र्शकार्त दजयकरनेकेर्लए संपकय करें:

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग, दमन द्वारा 14 अप्रैल को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

डेयर टू शेयर - सेल्वासा

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव द्वारा मनाया गया। अग्निशमन एवं आपात सेवा के निदेशक आईपीएस श्री अमित शर्मा द्वारा शहीद हुए अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अग्निशमन विभाग 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक राष्ट्रीय अग्नि

सुरक्षा सप्ताह मना रहा है और इस सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अग्निशमन विभाग दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के अधिकारियों और अग्निशमन कर्मियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उल्लेखनीय है कि 14 अप्रैल 1944 को मुंबई बंदरगाह पर एसएस फोर्ट स्टिकिन नामक जहाज पर विस्फोटक पदार्थों की आग बुझाने के दौरान शहीद हुए 66 अग्निशमन कर्मियों की याद में अग्नि सुरक्षा सप्ताह की शुरुआत की गई थी।

श्रीमती देवकीबा मोहनसिंहजी चौहान जी की पुण्यतिथि पर जीवनदायिनी पहल

श्रीमती देवकीबा मोहनसिंहजी चौहान कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में हुआ 61 यूनिट रक्तदान

डेयर टू शेयर - सिलवासा

11अप्रैल,2025(शुक्रवार) को लायंस क्लब ऑफ सिलवासा चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से श्रीमती देवकीबा मोहनसिंहजी चौहान कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 61 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।यह पुनीत आयोजन श्रीमती देवकीबा मोहनसिंहजी चौहान की पुण्यतिथि के अवसर पर किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ सिलवासा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष महोदय माननीय श्री फतेहसिंहजी चौहान,संस्था के सचिव महोदय श्री कुलदीप सिंह मुंद्रा,कोषाध्यक्ष श्री विश्वेष दवे,हवेली फाउंडेशन के सचिव श्री अभिषेकसिंहजी चौहान,इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के डॉक्टर्स एवं स्टॉफ,श्रीमती देवकीबा मोहनसिंहजी चौहान कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस की प्राचार्या डॉ सीमा पिल्लई जी,उप प्राचार्या डॉ जान्हवी अरेकर,हवेली इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्ट्डीज एंड रिसर्च की प्राचार्या डॉ शिल्पा तिवारी,लायंस इंग्लिश स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती निराली पारेख ,उप प्रधानाचार्या श्रीमती पारुल गुप्ता,भारत स्काउट्स एंड गाइड तथा NCC के सदस्यों सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती देवकीबा को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। जनसेवा के इस महाआयोजन में लगभग 170 से भी अधिक लोगों ने अपना पंजीकरण करवाया । यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक चला जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकों, लायंस इंग्लिश स्कूल के अध्यापकों एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों ने भाग लिया।इसमें छात्रों के अलावा प्रदेश के कई आम लोग भी शामिल हुए।शिविर में रक्तदान करने वालों के लिए हवेली फाउंडेशन की ओर से जलपान की व्यवस्था की गई थी। इस रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले छात्रों एवं अन्य लोगों को प्रमाण पत्र के साथ आकर्षक उपहार भी प्रदान किए गए ।पूरी प्रक्रिया पर नजर रखने और रक्त एकत्र करने के लिए डॉ राजेश शाह एवम् उनकी एक टीम को नियुक्त किया गया। रक्तदान के बाद चक्कर या बीमार महसूस करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए विश्राम कक्ष की भी व्यवस्था की गई थी। रक्तदान के समापन के बाद संस्था के अध्यक्ष महोदय श्री फतेहसिंहजी चौहान ने कहा कि रक्तदान महादान हैं क्योंकि एक बार रक्तदान करने से कई मरीजों को जीवनदान मिल सकता हैं।रक्तदान करने से किसी जरूरतमंद की सहायता तो होती ही हैं ,साथ ही शरीर भी स्वस्थ रहता हैं।उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर का आयोजन हमारे लिए अत्यंत हर्ष एवम् गर्व का विषय हैं जिसे हम हमारी माताजी की स्मृति में विगत कई वर्षों से कर रहे हैं और भविष्य में भी करते रहेंगे।अध्यक्ष महोदय ने बताया कि संस्था के सचिव श्री कुलदीप मुंद्रा जी ने लगभग 35 वर्षों तक Indian Red Cross Society में अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं। अध्यक्ष महोदय जी ने शिविर में उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया एवम् उनकी सराहना की।

गृहमंत्री का फर्जी OSD बनकर पुलिस की जांच प्रभावित करने की कोशिश करने वाले व्यक्तियों को दमन पुलिसने किया गिरफ्तार

डेयर टू शेयर - दमन

दिनांक 20/02/2025 को नानी दमन पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ओफ़ीसर को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया जिसने अपनी पहचान माननीय गृहमंत्री के नीजी OSD बोल रहा हु और उसने महाराष्ट्रा से प्राप्त Zero FIR मे अपराध कर्ज कर उनके मित्र की फ़ेवर करने बात की।

उपरोकत बाबत की जानकारी उच्च अधिकारी को देकर अज्ञात मोबाइल नंबर की जानकारी प्राप्त की तो चला की यह कॉल करने वाला व्यक्ति फर्जी है जिसके संदर्भ मे नानी दमन पुलिस स्टेशन मे U/s. 319(2),61(2),3(5) of BNSके तहत आपराधीक मामला दर्ज किया गया है। जिसमे आगे की तफतीश जारी

गिरफतार व्यक्ति :-

(1) सुरेंद्रसिंग S/O अत्तार सिंग उम्र 49 साल, पता:- फलोदी, नहतौर, सदरुद्दीन नगर, धमपुर, बीजनोर, उत्तरप्रदेश (2) शहजाद शमशाद अहमद,आयु-45साल,,पता-MHADAकॉलोनी,वडाला,मुंबई-15 गिरफ्तार अभियुक्त से घटना में प्रयोग किए गए मोबाइल फोन को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

रखते हुये यह गुन्हा मे सामील व्यकित को सुरेंद्रसिंग S/O अत्तार सिंग उम्र 49 साल को गीरफ़्तार किया गया उनकी पूछताछ करने पर पता चला की शहजाद शमशाद अहमद उनका मित्र है उन्होने पैसे की लालच दी थी और साथ मिलकर प्लान बनाया जिसमे शहजाद ने बताया की महाराष्ट्रा से ZeroFIR के कागजात नानी दमन पुलिस स्टेशन मे प्राप्त हुये है और अभी इनकी इंक्वायरी चल रही है आप होम मिनिस्टर से माननीय गृहमंत्री के नीजी OSD बनकर नानी दमन पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ओफ़ीसर को कॉल कर अपराध दर्ज करने के लिए कहा और उनका फ़ेवर करने के लिए कहा। दमन पुलिस की एक टीम को मुंबई भेजा जहा से यह अपराध मे सामेल अन्य अभियुकत शहजाद शमशाद अहमद, आयु-45 साल की धरपकड़ कर दमन पुलिस स्टेशन लाया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : संध्या चौहान द्वारा 15, 78, सी-6-2, खारीवाड़ नानी दमण (दमण-दीव) से प्रकाशित तथा ताप्तीलोक पब्लिकेशन, 152-153, श्री राम इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मोजे भेडवार, पांडेसरा, सूरत से मुद्रित ।
संपादक : मनोज रावल, मोबाईल नं. 8000360011 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।) किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दमण होगा।